भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †108

सोमवार, 1 दिसंबर, 2025/10 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

ओडिशा में पर्यटन अवसंरचना का विकास

†108. श्री प्रदीप पुरोहितः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि पश्चिमी ओडिशा के बरगढ़ और झारसुगुड़ा जिलों में धार्मिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय और औद्योगिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, फिर भी आवश्यक पर्यटन अवसंरचना की कमी के कारण ये जिले अभी भी अविकसित हैं;

(ख) क्या ओडिशा सरकार को नरसिंहनाथ मंदिर, गंधमर्दन पहाड़ियां, देबरीगढ़ वन्यजीव अभयारण्य, हीराकुड बैकवाटर इको-पर्यटन क्षेत्र और झाड़ेश्वर मंदिर जैसी स्थलों को केंद्र सरकार की पर्यटन विकास योजनाओं में शामिल करने के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(ग) पिछले पांच वर्षों में इन जिलों के लिए स्वदेश दर्शन, 'प्राशाद या देखो अपना देश' कार्यक्रम के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं या जारी की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का संबलपुर, बरगढ़, झारसुगुड़ा और बलांगीर जिलों को जोड़ने वाले "पश्चिमी ओडिशा सांस्कृतिक और इको-पर्यटन परिपथ" के निर्माण का प्रस्ताव है; और

(ङ) स्थानीय पारिस्थितिकी को संरक्षित करते हुए, विशेष रूप से गंधमर्दन पहाड़ियों और हीराकुड जलाशय के आस-पास, सतत एवं समुदाय आधारित पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से देश में पर्यटन संबंधी अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मंत्रालय ने चिह्नित विषयगत परिपथों के अंतर्गत पर्यटन अवसंरचना के विकास के उद्देश्य से वर्ष 2014-15 में स्वदेश दर्शन योजना शुरू की थी। इस योजना को अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के नाम से नया रूप दिया गया है, जिसका उद्देश्य स्थायी और

उत्तरदायी पर्यटन स्थलों का विकास करना है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय ने 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और स्वदेश दर्शन योजना की 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' नामक उप-योजना के तहत भी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसके साथ ही, भारत सरकार ने देश में प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों के व्यापक विकास, उनकी ब्रांडिंग और वैश्विक स्तर पर मार्केटिंग करने के उद्देश्य से 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास' के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उपरोक्त योजनाओं के अंतर्गत संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से उपयुक्त परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने पर योजना दिशानिर्देशों के अनुरूप और निधियों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन परियोजनाएं स्वीकृत की जाती हैं। एसडी 2.0 और एसएएससीआई योजनाओं के दिशानिर्देशों में स्थायित्व तथा सामुदायिक भागीदारी के विभिन्न पहलुओं को भी शामिल किया गया है।

ओडिशा राज्य में एसडी, प्रशाद और एसएएससीआई योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

वर्तमान में, ओडिशा में उपरोक्त योजनाओं के तहत परियोजनाओं को स्वीकृति देने संबंधी कोई नया प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। पर्यटन मंत्रालय ओडिशा सहित संपूर्ण देश में विविध पर्यटन स्थलों और उत्पादों का समग्र रूप से संवर्धन करता है, जिसमें 'देखो अपना देश' नामक पहल शामिल है। ऐसे संवर्धन निरंतर जारी विभिन्न पहलों, जैसे सोशल मीडिया पोस्ट, प्रचार संबंधी वेबसाइट, पर्यटन संबंधी कार्यक्रम, पर्यटन संबंधी मेलों और महोत्सवों में सहायता प्रदान करना, रोड शो में भाग लेना आदि के माध्यम से किए जाते हैं।

*****

अनुबंध

श्री प्रदीप पुरोहित द्वारा ओडिशा में पर्यटन अवसंरचना का विकास के संबंध में दिनांक 01.12.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †108 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में विवरण

(i) ओडिशा राज्य में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(राशि करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**परिपथ / स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत लागत**	**जारी / अधिकृत राशि**
1.	तटीय परिपथ 2016-17	गोपालपुर , बरकुल , सतपाड़ा और तमपाड़ा का विकास	70.82	67.28

(ii) पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना के अंतर्गत ओडिशा राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

(राशि करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत लागत**	**जारी की गई राशि**
1.	2024-25	हीराकुंड का विकास	99.90	131.92
2.	2024-25	सतकोसिया का विकास	99.99	

(iii) तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) योजना के अंतर्गत ओडिशा राज्य में स्वीकृत परियोजना का विवरण:

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि**	**जारी राशि**
1.	मेगा परिपथ के तहत पुरी, श्री जगन्नाथ धाम - रामचंडी - देमुली में प्राची रिवर फ्रंट में अवसंरचना का विकास	2014-15	50.00	10.00

******